[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1564 **L**

Unique Paper Code : 2132102403

Name of the Paper : Indian Epigraphy II

Name of the Course : **B.A. (Honours) Sanskrit**

Semester : IV (DSC) NEP (UGCF)

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for candidates/ छात्रों के लिए निर्देश:

A. इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।
Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

B. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

C. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Answer All Questions.

भाग 'क' / Part-A

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3x18=54

Answer any **Three** questions of the following:

1. रूद्रदामन के गिरनार अभिलेख का साहित्यिक महत्व विस्तारपूर्वक लिखिए।
Write in detail about the literary significance of Rudradaman's Girnar inscription.

2. कोटला के विग्रहराज अभिलेख का ऐतिहासिक और साहित्यिक महत्व लिखिए।
Write about the historical and literary significance of the Vigraharaja Inscription of Kotla.

3. ऐतिहासिक स्रोत सामग्री के रूप में अभिलेखों की भूमिका को रेखांकित कीजिए।
Highlight the role of inscriptions as historical source material.

4. प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं समाज को जानने में अभिलेखों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।
Elucidate the role of inscriptions in understanding ancient Indian culture and society.

P.T.O.

5. प्राचीन भारतीय अभिलेखों में प्रतिपादित काल-गणना की समीक्षा कीजिए।
Examine the dating system expounded in ancient Indian inscriptions.

भाग 'ख' / Part-B

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए: 2x9=18

Translate any **Two** of the following:

(i) यस्योद्वर्तयतः प्रतीपमुरसा शत्रून् समेत्यागतान् वङ्गेष्वाहववर्तिनोऽभिलिखिता खड्गेन कीर्तिर्भुजे।
तीर्त्वा सप्तमुखानि येन समरे सिन्धोर्जिता वाहिनका यस्याद्याप्यधिवास्यते जलनिधिर्वीर्यानिलैर्दक्षिणः ॥

(ii) जयति भगवान्जिनेन्द्रो वीतज रामरणजन्मनो यस्य ज्ञान- समुद्रान्तर्गत मलिखञ्जगदन्तरीपमिव। तदनु चिरमपरि मे यम्चलुक्यकुलविपुलजलनिधिर्जयति ॥ पृथिवीमौलिललाम्नां यः प्रभवः पुरुषरत्नानाम् ।। शूरे विदुषि च विभजन्दानम्मानञ्च युगपदेकत्र ॥

(iii) ओं ।। संवत् 1220 वैशाख 15 शाकम्भरी भूपति श्रीमदावेल्लदेवात्मज श्रीमद्वीसलदेवस्य ॥
ओं अम्भो नाम रिपु प्रिया नयनयोः प्रत्यर्थि दन्तान्तरे प्रत्यक्षाणि तृणानि वैभव मिलत्काष्ठं यशस्तावकम्।
मार्गो लोक विरूद्ध एव विजनः शून्यं मनो विद्विषां श्रीमद्विग्रहराजदेव भवतः प्राप्ते प्रयाणोत्सवे ॥

भाग 'ग' / Part-C

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 2x9=18

Write notes on any **Two** of the following:

(i) देहली टोपरा प्रथम स्तम्भ अभिलेख।
First Pillar Edict Delhi Topra.

(ii) समुद्रगुप्त का नालन्दा ताम्रलेख।
Nalanda Copper Inscription of Samudragupt.

(iii) अशोक का मास्की शिलालेख।
Maski Rock Inscription of Ashoka.